23 जनवरी, 2016 को वडोदरा, अहमदाबाद में अखिल भारतीय स्थानीय स्वशासन संस्थान (All India Local Self Government) द्वारा "स्मार्ट सिटी-अ रोड अहेड (Smart City: A Road Ahead)" विषय पर आयोजित सेमिनार में माननीय अध्यक्ष का भाषण

1. 'स्मार्ट सिटी' विषय पर आयोजित सेमिनार में शामिल होकर मुझे बहुत ख़ुशी हो रही है और मैं अखिल भारतीय स्थानीय स्वशासन संस्थान **(All India Local Self Government),** वडोदरा तथा गुजरात नगरपालिका वित्त बोर्ड को संयुक्त रूप से इस सेमिनार का आयोजन करने के लिए बधाई देती हूँ।

2. अखिल भारतीय स्वशासन संस्थान **(All India Local Self Government)** के अध्यक्ष श्री रंजीत चव्हाण को भी साधूवाद देती हूं कि उन्होंने पूरे मनोयोग से 'स्मार्ट सिटी स्कीम' को समझा है और ज़मीनी स्तर पर सरकारी एजेंसियों से तालमेल स्थापित करके इसकी सफलता के लिए तकनीकी, सामाजिक और राजनीतिक स्ट्रेटजी के अलावा पेशागत अभिरूचि **(Professional Attitude)** भी दर्शायी है। उनमें देश सेवा की पुनीत भावना भी है और उनके पास सक्षम नई तकनीकीविदों का सहयोग भी हासिल है। अतः, आने वाले समय में उनसे एवं उनके संस्थान से देश को बड़ी अपेक्षाएं हैं।

3. आज यहां की इस बैठक की विषय वस्तु है **-** 'स्मार्ट सिटी- ए रोड अहेड **(Smart City: A Road Ahead)',** जो कि बहुत ही प्रासंगिक है। यह एक नई अवधारणा है जिसे स्थानीय निकायों के सहयोग से विकसित किया जाना है जिसके लिए समुचित धनराशि की व्यवस्था की जिम्मेदारी सामूहिक रूप से केन्द्र और राज्य सरकार की होगी। महात्मा गांधी के 'ग्राम स्वराज' की मौलिक अवधारणा का यह विस्तारित रूप है जिसमें सभी स्थानीय नागरिकों का हित समाहित है। पूरे विश्व के 'ग्लोबल विलेज' बनने से स्थानीय कस्बे व शहर के स्मार्ट सिटी में बदलने की कवायद वास्तव में अर्थव्यवस्था में जबर्दस्त उछाल लाने का 'लांचिंग पैड' साबित हो सकता है। अतः, इसे 'ए रोड अहेड' मानना निश्चित रूप से तर्कसंगत है। हम सभी इस स्कीम की सफलता को लेकर बेहद आशावान हैं। इसके तहत कुछ विशेष मानदंडों के तहत स्मार्ट सिटी बनाने के लिए कुछ नगर निकायों का चयन किया गया है।

4. विशिष्ट प्रतिभागियों को मालूम होगा कि स्मार्ट सिटी मिशन **(Smart City Mission)** के अंतर्गत **98** शहरों का चुनाव पहले ही किया जा चुका है। एक व्यापक चयन प्रक्रिया के अंतर्गत वडोदरा सहित गुजरात के **6** शहरों को चुना गया है। मैं इस संबंध में **Vadodara Local Body** को प्रयास करने के लिए बधाई देती हूं। इन छह शहरों में गुजरात की लगभग **22** से **23** प्रतिशत आबादी रहती है और इस योजना के पूरी तरह लागू होने के बाद इन शहरों से राज्य और पूरे देश में और अधिक आर्थिक वृद्धि आ सकती है। स्मार्ट सिटी परियोजना की सफलता मुख्य रूप से हमारी नगरपालिकाओं की सफलता पर निर्भर करती है क्योंकि ये पूरी परियोजना और इसके कार्यान्वयन के ध्वजवाहक होंगे।

5. शहरों के विकास का सम्मान करना एक अच्छा विचार है, आज देश में तेजी से बढ़ते हुए शहरीकरण के मद्देनजर इसकी बहुत जरूरत भी है। शहरीकरण से **economic growth** तीव्र होता है। **Gross Domestic Product** में शहरी क्षेत्रों का अधिक योगदान होता है। हमारे देश में शहरी क्षेत्रों की जनसंख्या कुल जनसंख्या की लगभग **32** प्रतिशत है। हमारे सकल घरेलू उत्पाद **(GDP)** में इनका योगदान **60** प्रतिशत से भी अधिक होता है। अनुमान है कि अगले **15** सालों में भारत की शहरी जनसंख्या **Gross Domestic Product** में लगभग **75** प्रतिशत का योगदान करेगी। शहरों को "आर्थिक विकास का इंजन" कहा जाता है और ये हमारे भविष्य को मूर्त रूप देते हैं। देश की उन्नति शहरी क्षेत्रों की समृद्धि पर निर्भर होती है।

6. शहरों में रहन-सहन की बदतर स्थिति इस दशक का सबसे अधिक चिंता का विषय बन गया है। नागरिक सुविधाओं में कमी, अपर्याप्त परिवहन व्यवस्था और पर्यावरण के नुकसान के कारण बुनियादी सुविधाओं की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर होना स्वाभाविक है। वर्तमान में जो हमारे महानगर है वहां अनेक प्रकार की बुनियादी सुविधाओं संबंधी दिक्कतें हैं। पुराने शहरों का रूप बदलने की बजाय नई और स्मार्ट सिटी की परिकल्पना अत्यन्त **relevant** है और इसे विकास के मानदंड के रूप में स्थापित किया जा सकता है। कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न हैं जैसे कि आपके शहर में क्या-क्या है, किस क्षेत्र में जल्दी सुधार हो सकता है, किस क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक उपाय आवश्यक हैं, इन बदलावों के लिए पैसा कहां से आएगा आदि। शहरों के विकास के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण आवश्यक है।

7. **2011** की जनगणना के अनुसार शहरी जनसंख्या **37** करोड़ **71** लाख से भी अधिक थी और सालों-साल निरंतर बढ़ती ही जा रही है। इसलिए शहरों से जुड़ी समस्याओं, चुनौतियों और अवसरों को राष्ट्रीय एजेंडा में स्थान देने और इन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। यही समय है कि शहरों का विकास करने की दिशा में समुचित कार्यवाही की जाए ताकि लोग बेहतर जीवन व्यतीत कर सकें और इसी से **national assets** में वृद्धि के साथ-साथ **rapid economic growth** सुनिश्चित होगा। आज जब पूरे देश में परिवर्तन की प्रक्रिया चल रही है और सभी का ध्यान विकास की ही ओर है।

8. सबसे पहले हम समझें कि स्मार्ट सिटी क्या है**?** वे शहर जहां जीवन से संबंधित सभी आवश्यकताएं पूर्ण हो सके तथा **Modern Technology** के समावेशन के साथ-साथ प्राचीन स्थापत्य कला **(Sculpture)** की खूबसूरती का ध्यान रखते हुए एक ऐसे शहर का निर्माण, जिस पर हमें तथा हमारी आने वाली पीढ़ियां गौरवान्वित महसूस करें एवं विश्व के मानस पटल पर स्थापत्य कला का आधुनिकतम चित्र अंकित करें। यह केवल परिकल्पना नहीं है अपितु हमारे राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक उत्थान का दर्पण है। इस दर्शन को इन स्मार्ट शहरों के माध्यम से सबके सामने प्रस्तुत करना है।

9. माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा भारत में **100** स्मार्ट सिटी बनाए जाने की घोषणा के साथ यह प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। स्मार्ट सिटी में पूरी नियमितता से नागरिकों को प्रमुखता देते हुए भौतिक, सामाजिक, संस्थागत और आर्थिक बुनियादी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। वर्षा जल को संचित करने, साफ-सफाई, स्वच्छ पेयजल आपूर्ति और समुचित योजना को हमारी सरकार के एजेंडा में उच्च प्राथमिकता दी जा रही है। हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी ने यह कहा है कि यह हमारा सामूहिक लक्ष्य होना चाहिए कि हम कल के लिए रहने योग्य एवं दीर्घकालिक शहर का निर्माण करें।

10. इन शहरों में सभी प्रकार की डिजिटल टेक्नोलॉजी की सुविधाओं सहित स्वचालित सीढ़ियां, सी.सी. टी.वी. कैमरे एवं अत्याधुनिक वाई-फाई तकनीक से संबंधित सुविधा होंगी। वहां पर **Environmental friendliness** का भी ख्याल रखा जाएगा। वहां उत्कृष्ट तकनीक आधारित परिवहन व्यवस्था होगी, साथ ही समुचित पार्किंग व्यवस्था के साथ-साथ परिवहन व्यवस्था को इस प्रकार **manage** किया जाएगा कि कम-से-कम सीमित संसाधनों का उपयोग हो तथा अधिक

से अधिक प्राकृतिक संसाधनों का इस्तेमाल किया जाए। जैसे सोलर सिस्टम, विंड सिस्टम इत्यादि। हम सभी जानते हैं कि राजस्थान में जहां कड़ी धूप पड़ती है, खुला आसमान होता है, वहां पर सौर ऊर्जा का प्रयोग आसानी से किया जा सकता है। उसी प्रकार समुद्रतटीय शहरों में पवन ऊर्जा का उपयोग किया जा सकता है। इसी प्रकार उन शहरों में जैविक चीजों का उपयोग किए जाने को प्राथमिकता देकर वहां पर प्रदूषण के स्तर को भी कम किया जा सकता है।

11. भारतीय शहरों में रहन-सहन की स्थितियों को मद्देनज़र रखते हुए स्मार्ट शहरों के विकसित होने से विकास संबंधी योजनाओं को बेहतर ढंग से हम लागू कर सकेंगे एवं पूरे विश्व का ध्यान अपनी ओर खींच सकने में हम सफल होंगे। प्रगति, बेहतर एवं सुव्यवस्थित जीवन के साथ-साथ यदि हम सुरक्षित आधुनिक जीवन जीने का माहौल दे पाएं तो हमें "ब्रेन ड्रेन" जैसी समस्याओं का भी सामना करना नहीं पड़ेगा। बेहतर अवसर और बेहतर रहन-सहन की तलाश में विदेश जा रही युवा प्रतिभाओं के पलायन को रोकने का यह सर्वश्रेष्ठ माध्यम हो सकता है।

12. मैं समझती हूं कि एक आदर्श शहर वह होता है जो सुदृढ़ बुनियादी ढांचे की मदद से लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सक्रियता से कार्य करता है और जिसका एक स्पष्ट दृष्टिकोण होता है जो इसके सफलता के कारकों पर आधारित है। लोगों को यह महसूस होना चाहिए कि शहर उनका है। किसी शहर में रहने वाले लोगों के उत्साह और खुशी से ही वह शहर अच्छा शहर बनता है।

13. भारत में तेजी से **urbanisation** हो रहा है**।** गाँवों की आबादी कम हो रही है और शहरों में आबादी बढ़ रही है जिसके कारण हमारे शहरों और नगरों पर अधिक दबाव पड़ेगा**।** बड़े पैमाने पर **urbanisation** की स्थिति को सँभालने के लिए शहरों और नगरों को स्मार्ट बनाना होगा तथा समस्याओं का समाधान शीघ्र करने, कार्यकुशलता बढ़ाने, खर्च घटाने, जीवन स्तर को बेहतर बनाने और **investment attract** करने के उपाय करने होंगे**।** हमें समझना होगा कि चूँकि शहर आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, इसलिए उन्हें लगातार लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार करना होगा**।**

14. स्मार्ट सिटी में पर्याप्त जलापूर्ति, सुनिश्चित बिजली, ठोस कचरा प्रबंधन सहित साफ़-सफाई की सुविधा, कुशल शहरी परिवहन और सार्वजनिक परिवहन सुविधाएँ, किफायती आवास, बेहतर आई.टी. कनेक्टिविटी और डिजिटीकरण और शासन विशेष रूप से ई-शासन तथा नागरिकों

की सहभागिता, सतत पर्यावरण, नागरिकों और विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों और बूढ़ों की सुरक्षा तथा स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी मूलभूत बुनियादी सुविधाएँ होंगी। स्मार्ट सिटी मिशन में मौजूदा शहरों को बेहतर बनाने के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के व्यापक उपयोग की परिकल्पना है। 21 स्मार्ट समाधान हैं जिन्हें मुख्य रूप से छः श्रेणियों में विभाजित किया गया है अर्थात ई-गर्वनेन्स और नागरिक सेवाएं, कचरा प्रबंधन, जल प्रबंधन, ऊर्जा प्रबंधन, शहरी परिवहन और ऐसी ही अन्य सुविधाएँ। शहर क्षेत्र विशेष के विकास के लिए और स्मार्ट समाधान लागू करने के लिए स्वतंत्र हैं और इससे सरकारी धन का अपव्यय नहीं हो पायेगा।

15. जब नागरिकों को कुशल, विश्वसनीय और किफायती सेवाएं मिलने का भरोसा हो जाएगा और शासन कार्यकुशल, जवाबदेह और पारदर्शी हो जाएगा, तब हमारी व्यवस्था में लोगों का विश्वास बढ़ जाएगा जो हमारे लोकतंत्र की सफलता के लिए महत्वपूर्ण है। लोगों के निर्वाचित प्रतिनिधि होने के नाते, हम सब अपनी प्रणाली में लोगों के विश्वास के महत्त्व को समझते हैं। मैं आपको बताना चाहूंगी कि गांधीनगर में आयोजित भारत के विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन में भी हमने अपने विधायी निकायों में लोगों के विश्वास को बढ़ाने के मुद्दे पर चर्चा की थी।

16. स्मार्ट सिटी मिशन की पूरी योजना में शहरी स्थानीय निकायों को बहुत महत्वपूर्ण भूमिका दी गई है। सबसे पहले तो स्थानीय निकाय को ही स्थानीय सन्दर्भ, संसाधनों और जिस स्तर तक वे पहुंचना चाहते हैं, उसे ध्यान में रखते हुए स्मार्ट सिटी का प्रस्ताव तैयार करना है। स्थानीय निकाय को स्मार्ट सिटी प्रस्ताव के कार्यान्वयन के लिए संसाधन जुटाने का चुनौतीपूर्ण काम भी करना होगा। संबंधित शहर का मेयर विभिन्न संबंधित पक्षों के प्रतिनिधित्व वाले शहरी स्तर के निगरानी मंच के सदस्य भी होंगे।

17. जैसा कि आप जानते होंगे, स्मार्ट सिटी की **funding** केंद्र और राज्य सरकार/शहरी स्थानीय निकाय की **50:50** के अनुपात की भागीदारी से होगा। प्रत्येक स्मार्ट सिटी को हर साल **100** करोड़ रु. दिया जाएगा और यह राशि पांच साल तक दी जायेगी। राज्यों या शहरी स्थानीय निकायों को भी आनुपातिक आधार पर इतनी ही राशि का योगदान करना होगा। इस तरह राज्य और शहरी स्थानीय निकाय स्मार्ट सिटी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसलिए शहरी स्थानीय निकायों को अपनी नई पहचान बनाते हुए अपने अपने क्षेत्रों को रहने योग्य तथा व्यापार और आर्थिक गतिविधियों के लिए अनुकूल बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी।

स्थानीय प्राधिकारियों को अपने क्षेत्रों की देखभाल करनी होगी, उन्हें विकसित करना होगा, उनकी रक्षा करनी होगी और यह भी सुनिश्चित करना होगा कि लोग भी ऐसा ही करें।

18. मैं समझती हूँ कि सुशासन से हमारे शहर स्मार्ट बन सकते हैं और प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से हमें विभिन्न मुद्दों का समाधान करने के लिए वांछित साधन उपलब्ध होंगे। हमें लोगों के जीवनस्तर में सुधार लाने के लिए अपने कार्य की गुणवत्ता, सेवा की गुणवत्ता और संसाधनों की गुणवत्ता में सुधार करना होगा। आइये हम प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल भ्रष्टाचार, देरी, सुस्ती, कदाचार और ऐसी सभी गतिविधियों को कम करने के लिए करें जिससे नियमों, विनियमों और सुस्थापित मानदंडों का उल्लंघन होता हो। आइये, हम अपने नागरिकों के साथ बातचीत को बढ़ाने की कोशिश करें। जितनी बातचीत हम करेंगे, उतनी ही जानकारी हमें हासिल होगी जिसका इस्तेमाल हमारी प्रक्रियाओं और प्रणालियों को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है। मैं समझती हूँ कि समस्याओं के समाधान के लिए प्राधिकारियों और नागरिकों के बीच संपर्क सूत्र के रूप में एक हेल्पलाइन नंबर होना एक अच्छी शुरुआत होगी।

19. मुझे इस बात की ख़ुशी है कि मेरे निर्वाचन क्षेत्र इंदौर को भी स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत चुना गया है और मैं भावी चुनौतियों के बारे में भी जानती हूँ। संसाधन जुटाना निस्संदेह एक कठिन काम है, लेकिन लोगों की सोच बदलना और उनमें स्वस्थ जीवन जीने की संस्कृति विकसित करना उससे भी बड़ा काम होगा। स्मार्ट सिटी की सफलता मुख्य रूप से हमारे नागरिकों के दृष्टिकोण और अपनी जिम्मेदारी निभाने की उनकी तत्परता पर निर्भर करेगी। जन नेता के रूप में हम सब उनकी सोच बदलने में अपनी भूमिका निभा सकते हैं ।

20. भारतीय शहरों में जीवन का स्तर प्रभावित हो रहा है क्योंकि हम आर्थिक विकास पर अधिक बल दे रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप शहरी क्षेत्रों में कई प्रकार की चुनौतियां उत्पन्न हुई हैं। मकानों और पेयजल आपूर्ति की कमी, अपर्याप्त शौचालय सुविधाओं और नियमित ट्रैफिक जाम से शहरों का समग्र विकास प्रभावित हो रहा है। गुड़गांव और पुणे जैसे महानगरों के विकास मॉडल अभूतपूर्व शहरी चुनौतियों के साथ-साथ विकास की संभावना के ज्वलंत उदाहरण हैं।

21. स्मार्ट सिटी मिशन के रूप में एक नए योजना की घोषणा एवं उसके त्वरित एवं कुशलतापूर्वक कार्यान्वयन से हमें जनता को शासन से जोड़ने एवं उन्हें उच्चस्तरीय एवं गुणवत्तापूर्ण जीवन जीने का अवसर उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी एवं यह कदम वास्तव में क्रांतिकारी सिद्ध होगा।

22. मैं गांधीनगर, अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा, राजकोट और दाहोद के नगर निगम अधिकारियों को भी स्मार्ट सिटी में उनके शहरों के चुनाव के लिए बधाई देती हूँ और मिशन पूरा होने की सफलता की कामना करती हूँ ।

धन्यवाद।